प्रदेश में 7500 से अधिक सूक्ष्म उद्यमों को बढ़ावा दे चुका है ईडीआईआई : शुक्ला

भोपाल। भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय से उत्कृष्टता केंद्र सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में मान्यता प्राप्त भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान ईडीआईआई मध्य प्रदेश में 7500 से अधिक सूक्ष्म उद्यमों को बढ़ावा दे चुका है। इसके साथ ही एसआरएलएम के साथ मिलकर ग्रामीण उद्यमिता के विकास के लिए एसवीईपी परियोजना के तहत डिंडोरी, बड़वानी, श्योरपुर, शहडोल, सीधी, मंडला, बालाघाट, अलीराजपुर और झाबुआ जिलों में स्टार्टअप विलेज कार्यक्रम लागू कर रहा है। यह जानकारी देते हुए ईडीआईआई के गुजरात से आए महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ल ने बताया कि हमने मप्र कौशल विकास मिशन, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर और राज्य सरकार के कई अन्य प्रमुख संस्थानों के साथ एमओयू किया हुआ है जिससे राज्य में फिनटेक, एजुटेक, क्लीनटेक, हेल्थटेक, बायोटेक आदि जैसे प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में छात्र उद्यमिता के लिए अनुकूल माहौल बनाया जा सके। ईडीआईआई वर्ष 1983 से देश में उद्यमिता के क्षेत्र में विकास के लिए कार्यरत है। 1998 से हम एंटरप्रेन्योरशिप में पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम के साथ एजूकेशन के क्षेत्र में पदार्पण किया और आज हमारा सक्सेस रेट 78 फीसदी से ज्यादा है। हालांकि उन्होंने माना कि देशभर में स्टार्टअप का मॉरटेलिटी रेट 85 फीसदी है यानि 100 में से 85 स्टार्टअप विभिन्न कारणों से बंद हो जाते हैं। इसका मुख्य कारण युवा टेक्नोक्रेट्स का एंटरप्रेन्योरशिप के प्रति माइंडसेट, फिजिबिलिटी, क्रेडिट लिंकेज, प्रोटोटाइप की कमी आदि है। इस मौके पर ईडीआईआई के तरुण बेदी समेत कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।